फर्द अहकाम

बनाम

आज्ञा विस्तृत रूप से

डिग्री पत्रावली वास्ते तलबी
दिनांक 2.1.18 को पेश हो।

डिग्री पत्रावली वास्ते
... हेतु दिनांक
... पेश हो।

डिग्री वास्ते तलबी जवाब
... दिया जाकर
... 6.2.18 को पेश डिग्री

डिग्री पत्रावली ... आगामी
... को पेश हो।

... पत्रावली ... आगामी
... पेश हो।

फर्द अहकाम

बनाम

आज्ञा विस्तृत रूप से

पत्रावली पेश हुई। उभयपक्ष उपस्थित।
प्रार्थना पत्र से सम्बन्धित मूल वाद में
दिनांक 13/3/2012 को आपसी सहमति
के आधार पर विभाजन का वाद प्रारम्भिक
डिक्री किया जा चुका है। तथा तहसीलदार
कस्बी को तहरीर भी जारी कि जा चुकी है।
इसलिए प्रश्नगत प्रार्थना पत्र मे जिसमे
वाद मे एक और प्रार्थना पत्र अन्तर्गत
विविध वाद संख्या 68/2005 को भी निस्तारित
किया जा चुका है। चूंकि मूलवाद आपसी
सहमति के आधार पर प्रारम्भिक डिक्री किया
जा चुका है। और जवाब प्रार्थना पत्र आज
दिनांक तक प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति
मे प्रार्थना पत्र को निर्णित किया जाना न्यायोचित
प्रतीत होता है। अतः प्रकरण मे आपसी
सहमति के आधार पर वाद प्रारम्भिक डिक्री
किये जाने के फलस्वरूप प्रार्थना पत्र का
गुणअवगुण पर विवेचन किये बिना
न्यायालय द्वारा कि आदेशिका दिनांक
27/2/2007 मे आंशिक संशोधन कर
उभयपक्षों को मूलवाद के निस्ता...

फर्द अहकाम

बनाम

नाम न्यायालय

केस संख्या

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		वादि अलग आराजी की मौका एंव रिकार्ड की यथास्थिति बरकरार रखने हेतु पाबन्द किया जाता है। पत्रावली कामल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम होने पर दाखिल दफ्तर हो। निर्णय आज दिनांक 6/3/18 को धारा 151 CPC के अन्तर्गत खुलेआम सुनाया गया।
		उप खण्ड अधिकारी जिला जय